

आत्मनिर्भर भारत: अवसर और चर्चाएँ

प्रलम्बिस् के लयि

आत्मनिर्भर भारत अभयिान, मेक इन इंडयिा अभयिान

मेन्स के लयि

आत्मनिर्भर भारत अभयिान के तहत प्रस्तुत अवसर और चुनौतयिँ

चर्चा में क्यँ?

यूके-इंडयिा बज्जिनेस काउंसलि (UKIBC) ने 'रोड टू ए यूके-इंडयिा फ्री ट्रेड एग्रीमेंट: एन्हांसगि द पार्टनरशपि एंड अचीवगि सेल्फ-रलियंस' शीर्षक से एक रपिर्ट जारी की है ।

- भारत में व्यापार करने को लेकर 'यूके-इंडयिा बज्जिनेस काउंसलि' के वार्षकि सर्वेक्षण के मुताबकि बरटिन की 77 प्रतशित कंपनयिँ का मानना है कि '[आत्मनिर्भर भारत अभयिान](#)' एक चुनौती के बजाय एक अवसर प्रदान करता है ।
- हालौंक परिषिद ने अपनी रपिर्ट में ज़ोर देते हुए कहा है कि 'आत्मनिर्भर अभयिान' के तहत लागू कुछ सुधारों के कारण बरटिन और सभी बहुराष्ट्रीय कंपनयिँ पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है ।

प्रमुख बडि

आत्मनिर्भर भारत अभयिान द्वारा प्रस्तुत अवसर:

- 'आत्मनिर्भर भारत अभयिान' को वर्ष 2014 में शुरू कयि गए '[मेक इन इंडयिा](#)' अभयिान के वसितार के रूप में देखा जाना चाहयि, क्यँकयिे दोनों ही अभयिान घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से वनिरिमाण नविश हासलि करने के उद्देश्य को साझा करते हैं ।
- इस अभयिान के इसिसे के रूप में घोषति पैकेज के तहत भारतीय समाज के संवेदनशील और वंचति वर्गों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs), कृषि क्षेत्र के लयि तथा व्यवसायों हेतु नयिमों को आसान बनाने और अर्थव्यवस्था का समर्थन करने हेतु अन्य समाधानों की एक शृंखला हेतु कई वत्तितीय सहायता उपायों की पेशकश की गई थी ।
- इस अभयिान ने वदिशी नविशकों के लयि रक्षा, परमाणु ऊर्जा, कृषि, बीमा, स्वास्थ्य सेवा और नागरकि उड्डयन सहति कई क्षेत्रों में नविश के अवसर प्रदान कयि हैं ।

बडती चति:

- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और नविश का कम होना:** इस कार्यक्रम के कुछ पहलुओं जैसे- आयात एवं आयात प्रतसि्थापन पर टैरफि व गैर-टैरफि प्रतबिंध में वृद्धि आदि में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा नविश को कम करने की क्षमता है ।
 - गैर-टैरफि बैरयिर, जैसे- कोटा (Quota), अधरिोध (Embargo) या सँकशन (Sanction) आदि व्यापार अवरोधक हैं, जनिका उपयोग देश अपने राजनीतिक और आर्थकि लक्ष्यों को आगे बढाने के लयि करते हैं ।
 - देश मानक टैरफि बैरयिर (जैसे सीमा शुल्क) के स्थान पर गैर-टैरफि बैरयिर का उपयोग कर सकते हैं ।
- **DISCOMS द्वारा तदर्थ नीति में परविरतन:** बजिली वत्तिरण कंपनयिँ (DISCOMS) और [अकष्य ऊर्जा](#) क्षेत्र के मामले में [बजिली खरीद समझौतों](#) पर दुबारा बातचीत करने के लयि तदर्थ (Ad-Hoc) परविरतनों को अपनाती हैं ।
- **नीतगित मुद्दे:** भारत की बौद्धकि संपदा प्रवर्तन व्यवस्था में कठनाइयों, फार्मा क्षेत्र के नयिमों में अंतराल, दवा मूल्य नयित्रण और डेटा स्थानीयकरण तथा शासन से संबंधति मानदंड ।
 - डेटा स्थानीयकरण (देश की सीमाओं के भीतर डेटा संग्रहीत करना) वैश्वकि आपूर्त शृंखला तक पहुँच सीमति करके स्थानीय कंपनयिँ की वैश्वकि बाज़ार में प्रतसिपरद्धा करने की क्षमता को सीमति कर सकता है ।
 - इससे नविश, पूंजी और ग्राहकों तक पहुँच में कमी हो सकती है ।
- **अंतरकिष क्षेत्र में:** [अंतरकिष क्षेत्र को नजिी नविशकों के लयि खोलना](#) एक महत्त्वपूर्ण कदम था, लेकिन इससे जुड़ी प्रकरयिाओं से संबंधति

कई पहलुओं के बारे में 'स्पष्टता की कमी' थी।

- भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्द्धन तथा प्रमाणीकरण केंद्र (IN-SPACE) भारतीय अंतरिक्ष अवसंरचना का उपयोग करने हेतु नज्दी क्षेत्र की कंपनियों को समान अवसर उपलब्ध कराएगा।
- रक्षा क्षेत्र में: रक्षा उपकरणों की 101 वस्तुओं पर आयात परतबिंध को 4 वर्ष की अवधितक या वर्ष 2024 तक लागू करने की योजना है।
 - इसके अतिरिक्त रक्षा अधगिरहण प्रकरणा (DAP) 2020 में परिवर्तन के कारण यह संभावना सुनिश्चिता की गई है कि इस सूची में कोई भी वस्तु कट-ऑफ तथिसे आगे आयात नहीं की जाती है।
 - इससे भारत में वदिशी नविश प्रभावति हो सकता है।

सुझाव :

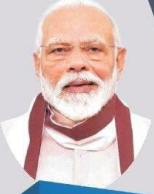
- भवषिय की रणनीति बनाना :
 - एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण जो क्षेत्रीय आपूर्ति शृंखलाओं और स्थान संबंधी नरिणय लेने पर वचिार करता है, सफल होने के लयि आवश्यक है।
- भारत में मुक्त और नषिपक्ष व्यापार हेतु खुलेपन को बढ़ावा देना :
 - भारत को अंतर्राष्ट्रीय व्यवसायों को भारत में नविश करने और मेक इन इंडिया को एक उपकरण के रूप में टैरफि का उपयोग करने के बजाय अपनी कषमता के कारण नविशकों को आकर्षति करना चाहयि।
- नवोन्मेषकों के विकास और समर्थन पर ध्यान देना :
 - STEM, डिजिटल, रचनात्मक और महत्त्वपूर्ण वचिार कौशल पर ध्यान केंद्रति करने से यह ऐसे नेतृत्वकर्त्ताओं और कार्यकर्त्ताओं का नरिमाण करेगा जो नवाचार कर सकते हैं तथा समस्याओं को हल कर सकते हैं।
 - भारत को एक नवप्रवर्तक-अनुकूल बौद्धिक संपदा नीति और प्रवर्तन व्यवस्था भी विकसति करनी चाहयि।
- डिजिटल और डेटा:
 - वैश्विक व्यापार में डिजिटल और डेटा सेवाओं का तीव्रता से बढ़ते महत्त्व के साथ भारत के समक्ष अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक बाज़ारों के साथ पूरी तरह से एकीकृत होने का अवसर उपलब्ध है।
 - भारत को अपनी विकास कषमता को प्राप्त करने हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence), डिजिटल तकनीक (Digital Technology) और डेटा के मौजूद अवसरों का दोहन करने के लयि इन क्षेत्रों में सक्रयि रूप से नविश करना जारी रखना चाहयि।
- भारत की व्यापार और नविश रणनीति को स्थरिता प्रदान करना :
 - अगर व्यापारिक व्यवस्थाओं को सही ढंग से आकार दयि जाए, तो ये संस्थाएँ गरीबों का समर्थन करने और पर्यावरण की रक्षा करने में मदद कर सकती हैं।
 - देश और वभिनिन व्यापारिक समूह इस तथय से अवगत हैं तथा वे अपने व्यापार समझौतों और रणनीतयिों में स्थरिता और मानवाधिकारों को तेज़ी से एकीकृत कर रहे हैं।

आत्मनरिभर भारत अभियान:

- मई 2020 में प्रधानमंत्री द्वारा 20 लाख करोड़ रुपए के इस कार्यक्रम को आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज के साथ शुरू कयि गया था - जसिका उद्देश्य आत्मनरिभरता का लक्ष्य प्राप्त करना था।
 - वर्ष 2019-20 हेतु घोषति आर्थिक पैकेज भारत के सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product- GDP) का 10% था।
 - 20 लाख करोड़ रुपए की धनराशि में RBI के उपायों और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (Pradhan Mantri Garib Kalyan Yojana) के तहत भुगतान को शामिल करते हुए लॉकडाउन की शुरुआत में पहले से घोषति पैकेज शामिल हैं।
 - उम्मीद है कि इस पैकेज का उपयोग भूमि, श्रम, तरलता और कानूनों पर ध्यान केंद्रति करने हेतु कयि जाएगा।

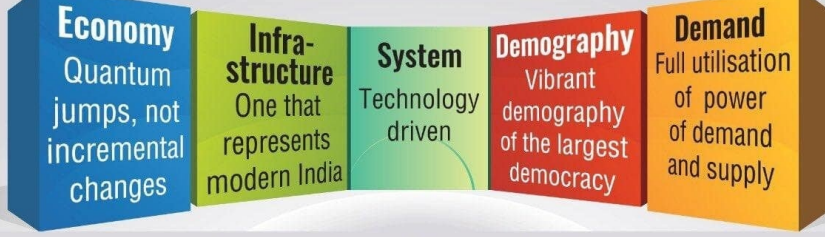
लक्ष्य:

- इसका उद्देश्य वैश्विक बाज़ार में हसिसेदारी हासलि करने हेतु सुरक्षा अनुपालन और सामानों की गुणवत्ता में सुधार करते हुए परतस्थिापन पर ध्यान केंद्रति करके आयात नरिभरता को कम करना है।
- आत्मनरिभरता न तो कसिी बहिषकरण या अलगाववादी रणनीतयिों का प्रतीक है बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर एक सहायता के रूप में देखे जाने की ज़रूरत है।
- मशिन "स्थानीय" उत्पादों को बढ़ावा देने के महत्त्व पर केंद्रति है।



Atmanirbhar Bharat The Road Ahead

5 Pillars of Self-Reliant India



Atmanirbhar Bharat Abhiyan

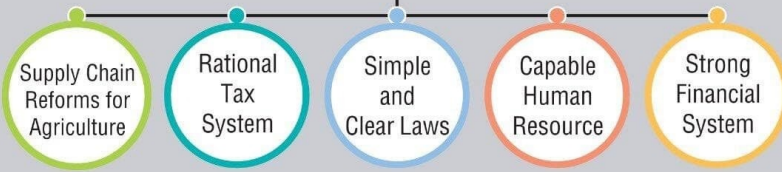
Package of ₹ 20 lakh crores (about 10% of GDP*)

Focus on Land, Labour, Liquidity and Laws

To cater to labourers, middle class, cottage industry, MSMEs and industries among others

**including recent economic measures and RBI announcements*

Bold Reforms– Need of the Hour



स्रोत: द हद्दू

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/atmanirbhar-bharat-concerns>